IJAER/ July-August -2022/Volume-11/Issue-4 ISSN: 2278-9677
International Journal of Arts & Education Research

शिक्षा के क्षेत्र में इन्टरनेट की उपयोगिता

शोध निर्देशक
डॉ. लता मालवीय
Phd. Education, Bhabha University, Bhopal

शोधार्थी
उमा मिश्रा

प्राचीन समय से ही भारत में शिक्षा के कई केंद्र थे पुराने समय में शिक्षा का स्वरुप मौखिक था धीरे धीरे मौखिक के साथ लिखित शिक्षा दी जाने लगी भारत में ELECTRONIC तकनीकी के क्षेत्र में विकसशील परिवर्तन हुए जिसके फलस्वरूप रेडियो टेलिविजन आदि उपकरणों का शिक्षा के क्षेत्र में उपयोग किया जाने लगा ।

आधुनिक समय में अत्याधुनिक तकनीकी का विकास हुआ और इसी के साथ शिक्षा के क्षेत्र में सूचना एवं प्रोद्योगिकी के उपकरणों का उपयोग एक क्रांति के रूप में हुआ जिसमे इन्टरनेट एक ऐसी तकनिकी है जिसका उपयोग सभी क्षेत्रो में किया जाता है ।

आधुनिक समय में इन्टरनेट एक उपयोगी सूचना एवं प्रोद्योगिकी के संचार का साधन है जिसका उपयोग अन्य क्षेत्रो के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी किया जाता है बिभिन्न शैक्षिक उद्द्येश्यो को प्राप्त करना अनुसन्धान के क्षेत्र में बिभिन्न विषयों से सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करने इसका उपयोग अत्यंत आवश्यक हो गया है ।

आज के समय में विद्यालय विश्वविद्यालय ही सीखने के केंद्र नहीं रह गए है मल्टीमीडिया और इन्टरनेट के प्रयोग में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की सुरुआत कर दी है जिससे छात्र एवं शिक्षक दोनों की उम्मीदे बढ़ गई है ।

इन्टरनेट तकनीकी सीखने में सीखने में एक लचीलापन और छात्र एवं शिक्षक दोनों के लिए यह दिलचस्प हो जाता है इस तकनीकी के प्रयोग से विषय को भी मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है यह तकनिकी छात्रों को सीखने के लिए प्रोत्साहित करती है इन्टरनेट

शिक्षा के क्षेत्र में एक परिवर्तन का माध्यम बन गया है यह सूचना प्रदान करने का एक बहोत बड़ा माध्यम बन चूका है जिससे सभी क्षेत्रो से सम्बंधित जानकारी एकत्रित हो जाती है इसके उपयोग से छात्र कम समय में अधिक से अधिक जानकारी एकत्रित कर सकता है ।

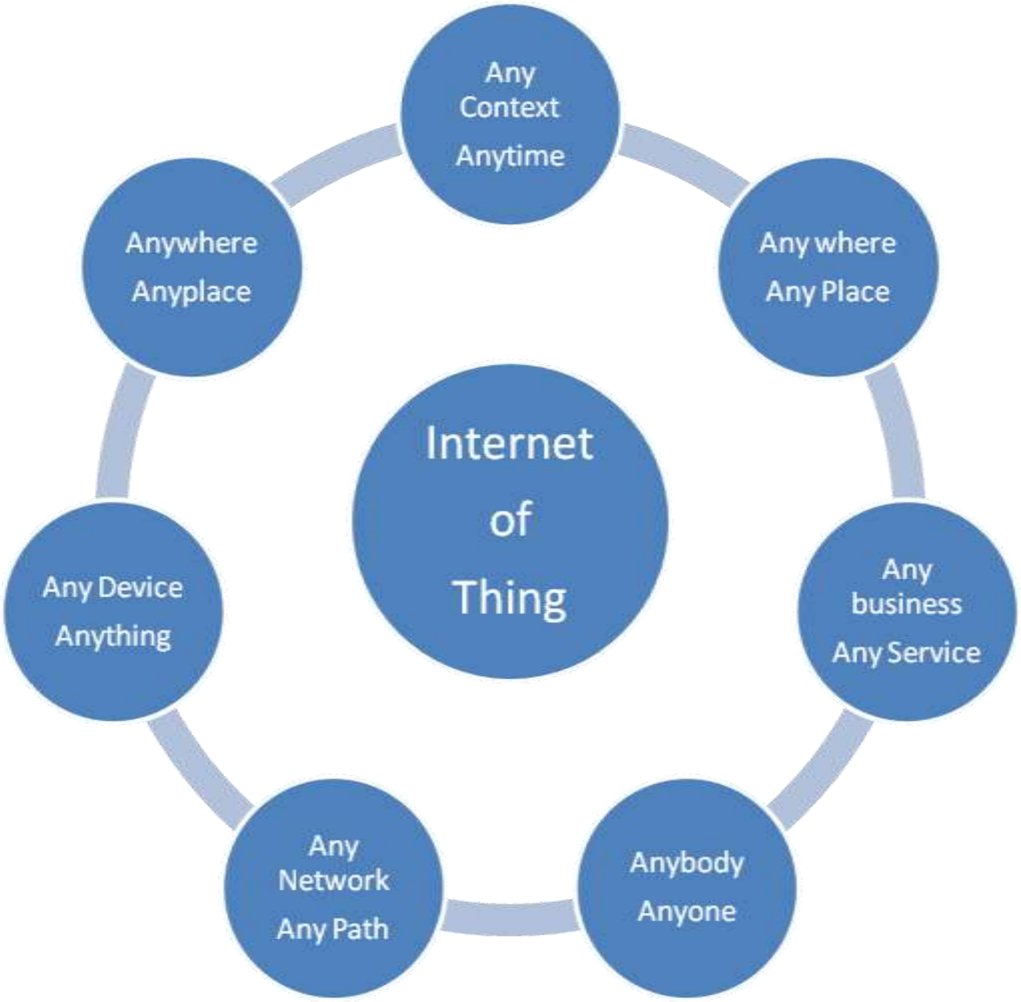

इन्टरनेट के माध्यम से शिक्षक ज्यादा से ज्यादा शैक्षिक संसाधन छात्रों के लिए उपलब्ध करा रहे है आधुनिक समय में उच्च शिक्षा ही नहीं माध्यमिक एवं प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में इन्टरनेट का उपयोग किया जा रहा है ।

विकासशील देशो में भारत की गिनती उन देशो के अनतर्गत होती है जहा इन्टरनेट उपभोक्ता की संख्या सबसे ज्यादा है इस नए दशक में सूचना एवं प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में एक बडी क्रांति हुई है ।

वर्तमान में देश में सूचना एवं प्रोद्योगिकी एक ऐसे एजेंट के रूप में सामने आया है जिसमे मानव जीवन को सभी क्षेत्रो में व्यापक परिवर्तन किया है इसके प्रयोग से शैक्षिक स्तर में बहोत प्रगति हुई है ई शिक्षा को ELECTRONIC समर्पित शिक्षा के रूप में जाना जाता है जो छात्रों के स्वयं के अनुभव उनके अभ्यास और ज्ञान के निर्माण को प्रभावित करता है शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक शिक्षण संसाधन जैसे मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप, विडियो, टेपरिकॉर्डर, प्रोजेक्टर का उपयोग किया जा रहा है आनलाईन के माध्यम से छात्र पुस्तके पढ़ रहे है दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में इन्टरनेट का उपयोग छात्रों के द्वारा किया जा रहा है ऐसे छात्र जो पढाई में रूचि लेते है लेकिन किसी कारणवश वे शिक्षा नहीं ले पा रहे है अतः वे दूरस्थ शिक्षा में इन उपकरणों के उपयोग से शिक्षा प्राप्त कर रहे है ऑडियो - वीडियो कैसेट, ई-मेल इन्टरनेट एस एम् एस विडियो पत्रिकाए आदि का उपयोग छात्रों के द्वारा किया जा रहा है आज के समय में मोबाइल लर्निंग का उपयोग भी शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक रूप से हो रहा है जो हमेशा इन्टरनेट से कंनेक्ट रहता है ।

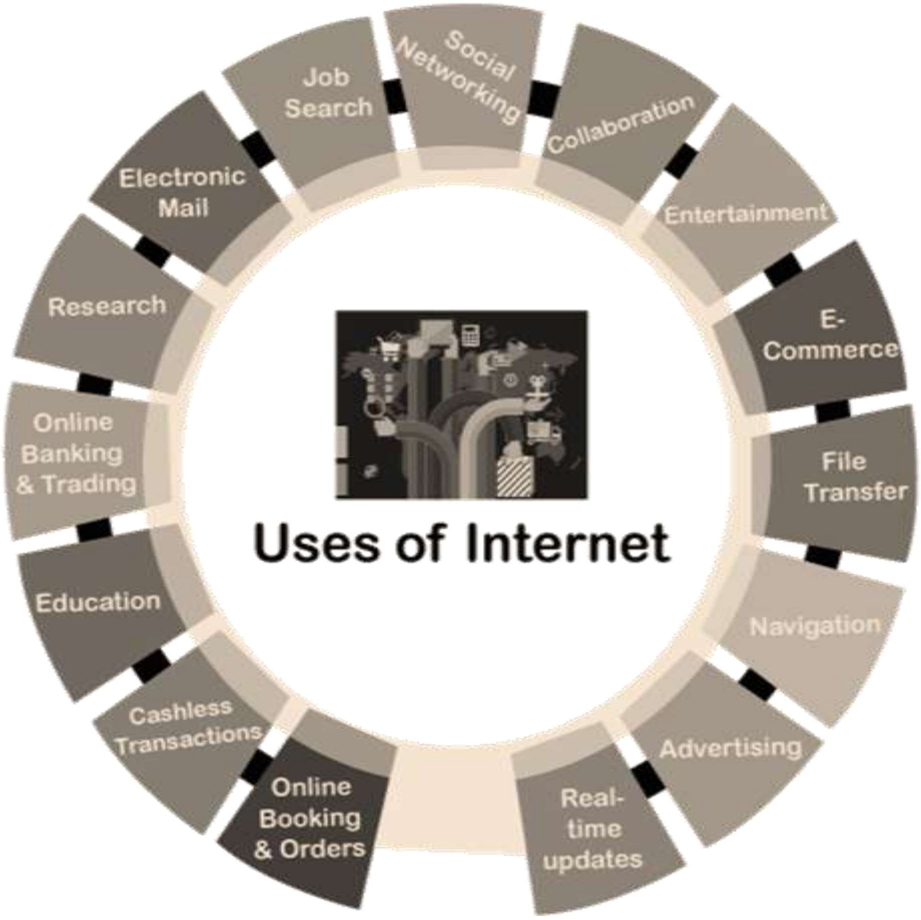

आधुनिक समय में डिजिटल पुस्तकालय का उपयोग भी छात्रों के द्वारा व्यापक रूप से किया जा रहा है ।

इन्टरनेट स्वन्त्रत रूप से सीखने के अवसर प्रदान करता है अतः हम कह सकते है की वर्तमान समय में ऑनलाइन शिक्षा का तीव्रगति से विकास हुआ है इन्टरनेट के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है छात्र प्रतियोगी परिक्षाओ की जानकारी प्राप्त करते है आज सभी प्रकार की परीक्षाये ऑनलाइन संचालित की जा रही है अतः हम कह सकते है की वर्तमान शिक्षा पध्यति चाहे वह विद्यालयी या महाविद्यालयी हो उसमे इन्टरनेट का उपयोग आवश्यक है जिससे शिक्षा के क्षेत्र का व्यापक विकास हो सके ।